

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,  
उप सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,  
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून

दिनांक

20 नवम्बर 2008

विषय: युवा छात्रावासों के विकास योजनान्तर्गत धनराशि को युवा छात्रावास बंदीनाथ हेतु स्वीकृति किये जाने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशालय के पत्र संख्या 1048/तीन-1500/2007-2008, दिनांक 29 नवम्बर 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि युवा छात्रावास बंदीनाथ हेतु फर्नीचर, पर्दे, वर्तन एवं अन्य आवश्यक सामग्री का कय किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2007-08 में युवा छात्रावासों के विकास योजनान्तर्गत अनुमोदित धनराशि रु0 42.00 लाख (रु0 बयालीस लाख मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 में इतनी ही धनराशि को आपके निर्वहन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उपर्युक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि, मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिससे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3. धनराशि का एक मुश्त आहरण न करके आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा।

4. जहां आवश्यक हो, धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन योजना पर एवं वित्तीय व्यय की प्रस्ताव पर प्राप्त कर लिया जायेगा। सामग्री एवं उपकरणों का कय डी0जी0एस0एण्ड डी0 की दरों पर किया जायेगा और यह दरें न लेने की स्थिति में टेंडर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए ही किया जायेगा।

5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना स्वीकृत नार्मस है। स्वीकृत नार्मस से अधिक कदापि व्यय न किया जाये। प्रस्तावित कयों हेतु न्यूनतम आवश्यकता एवं मानक के आधार पर आंगणन गटित कर तदनुसार नियमानुसार ही यथा आवश्यक सामग्री का कय किया जाय तथा अव्ययित धनराशि राजकोष में जमा किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

6. स्टोर पर्येज रूल्स का भी अनुपालन किया जायेगा।

7. इस सम्बन्ध में चालू वित्तीय वर्ष 2007-2008 के अनुदान संख्या -11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-00-001-निर्देशन तथा प्रशासन-00-06-युवा छात्रावासों का विकास-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद के आयोजनागत पक्ष के मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

8. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के आर० पत्र संख्या -936(p)/ XXXVII-(3)/2008 दिनांक 29 जनवरी 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस०एस०वल्दिया)

उपसचिव

पृष्ठांकन संख्या-22/VI-I/2007-07(युवा)2001 तददिनांकित  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० युवा कल्याण मंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
- 3- अपर सचिव, वित्त विभाग उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- नियोजन अनुभाग उत्तराखण्ड शासन।
- 6- एन०आई०सी० सचिवालय, देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञासे,

(संजीव कुमार शर्मा)

अनुसचिव